

संपादकीय

विविधता पर जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के हालिया अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन दौरे के दौरान व्यक्त विचार न केवल संघ के कटु आलोचकों, बल्कि संघ के वृहतर संगठनों में सक्रिय परंपरावादियों के लिए भी कुछ अचरज भरे रहे। न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महत्ता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथनिरपेक्षतावादियों के विषैले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं। इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बनाना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उपजे हैं।

इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि ‘भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता।’ ‘सच्चे हिंदू’ की उनकी यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण संकतना संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुपंगी संगठनों और अन्य अनेक कट्टरपंथियों के लिए चेतावनी भी, जो अक्सर मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ उलझकर टकराव बढ़ाते रहते हैं। यह बयान भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन के लिए भी एक प्रोक्ष संदेश और विवेकसम्मत सलाह कही जा सकती है, क्योंकि केंद्र और कई राज्यों की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उसके कई नेता अन्य मतावलीबियों के विरुद्ध अग्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुत: शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है। यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता का भाव बहुत सशक्त होगा।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए उत्साह और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कारोबारियों को धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे और साझेदारी में शुरू किया गया काम भी फायदा दे सकता है।

वृष राशि : आज आपके जीवन में कोई सुखद बदलाव दस्तक दे सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े काम करने वालों को अचानक धन लाभ मिलने के योग हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन राशि : ऑफिस में दिया गया आपका कोई महत्वपूर्ण सुझाव बड़ी ढील को अंतिम रूप दिला सकता है, जिससे वरिष्ठ अधिकारी आपसे प्रभावित होंगे और पदोन्नति की राह खुल सकती है।

कर्क राशि : लंबे समय से जिस विशेष काम को पूरा करने का इंतजार था, वह आज पूरा होने की संभावना है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

सिंघ राशि : आज कई ऐसे बातें स्पष्ट हो सकती हैं जो पिछले कुछ समय से आपके मन में उलझन पैदा कर रही थीं। किसी महत्वपूर्ण काम से बड़ा फायदा मिलने के साथ कोई अधूरा काम भी पूरा हो सकता है। कन्या राशि : आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा लेकर आएगा। कारोबारी लोगों के लिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखना फायदेमंद रहेगा। बिना योजना की खरीदारी आर्थिक संतुलन बिगाड़ सकती है।

तुला राशि : आज भाग्य आपके पक्ष में मजबूती से खड़ा नजर आएगा। जीवनसाथी का कोई व्यवहार या काम आपको बेहद खुशी दे सकता है। किसी नए काम की शुरुआत करना शुभ परिणाम दे सकता है।

वृश्चिक राशि : आज आपकी मेहनत रंग लागगी और किसी यात्रा से भी लाभ मिलने के संकेत हैं। अगर कहीं बाहर जा रहे हैं तो जरूरी दस्तावेज और सामान पहले से अच्छी तरह जांच लें।

धनु राशि : आज समझदारी से उठाया गया हर कदम आपके लिए लाभ का रास्ता खोल सकता है। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए किसी अच्छी सौगात जैसा साबित हो सकता है। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए समय अनुकूल है और योजनाओं को अमल में लाने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कुंभ राशि : आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर अधिक आकर्षित रहेगा और भीतर से शांति महसूस होगी। ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी बात को गंभीरता से लेंगे।

मीन राशि : आज का दिन खुशियां और मानसिक संतोष से भरा रह सकता है। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा और कॉलेज या कार्यस्थल पर दोस्तों के साथ हंसी-मजाक का माहौल बना रहेगा।

सवालों में आईआईटी बॉम्बे

प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षा संस्थान आईआईटी बॉम्बे में एक छात्र की आत्महत्या को लेकर जिस तरह दलगत राजनीति भी होनी शुरू हो गई है, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही है। राजनीतिक दलों को कम से कम ऐसे किसी मामले पर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने से बाज आना चाहिए, जिससे समाज में वैमनस्य पैदा होने का खतरा हो। यह इसलिए और भी आवश्यक है, क्योंकि अभी यह स्पष्ट नहीं कि छात्र साहिल रवींद्र वाकोडे ने आत्महत्या क्यों की। आईआईटी बॉम्बे प्रबंधन के अनुसार उसे मोबाइल फोन के जरिये नकल करते पकड़ा गया था, लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। बाद में उसने हास्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। यह खबर आते ही साहिल के पिता ने यह आरोप लगाया कि उसे तीन माह से प्रताड़ित किया जा रहा था और जातिभूचक गालियाँ दी जा रही थीं, लेकिन यह अनुरतिरि ही है कि इसका उल्लेख पहले क्यों नहीं किया गया और संस्थान के एससी-एसटी सेल में इसकी शिकायत क्यों नहीं की गई? यह ठीक नहीं कि इन प्रश्नों का उत्तर सामने आए और जांच पूरी होने के पहले ही साहिल को नकल करते हुए पकड़ने वाले शिक्षक सूर्यनारायण दुल्ला पर एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया गया। आखिर जब आईआईटी बॉम्बे प्रबंधन तंत्र के साथ मुंबई क्राइम ब्रांच घटना की जांच कर रही है और इस जांच के चलते प्रोफेसर दुल्ला को डीन पद से हटा दिया गया है, तब फिर इस निष्कर्ष पर पहुंचने का क्या औचित्य कि साहिल को प्रताड़ित करने के साथ आत्महत्या के लिए विवश किया गया? उचित यही है कि आत्महत्या करने वाले छात्र के स्वजन, आई आईआईटी बॉम्बे के छात्र और राजनीतिक दल साहिल की मौत की जांच की प्रतीक्षा करें। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि आईआईटी जैसे संस्थान उन कारणों की पहचान कर उनका निवारण करें, जिनके चलते छात्र रह-रहकर आत्महत्या करते रहते हैं। यह सामान्य बात नहीं कि बीते कुछ माह में आईआईटी बॉम्बे के ही चार छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। ऐसे ही मामले अन्य आईआईटी में भी देखने को मिलें हैं। चूंकि आत्महत्या करने वाले छात्र सभी वर्गों के रहे हैं, इसलिए इस नतीजे पर पहुंचना सही नहीं कि इन संस्थानों में वर्ग विशेष के छात्रों के प्रति भेदभाव होता है, लेकिन इतना तो है ही कि छात्रों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता है। आईआईटी देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान हैं। इन संस्थानों में पठन-पाठन का स्तर और साथ ही माहौल ऐसा होना चाहिए, जिससे किसी भी छात्र को आत्महत्या न करना पड़े। इसके लिए शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर करने के साथ ही पढ़ाई में कमजोर और शिक्षा काणन मानसिक रूप से परेशान छात्रों की काउंसिलिंग के तंत्र को सुधारा भी जाना चाहिए, क्योंकि इसमें कमी दिख रही है।

- राजीव सवान

इंदौर में राहुल गांधी का छात्रों की गुंज कार्यक्रम इसलिए अधिक चर्चा में रहा, क्योंकि इसमें एक कामेडियन को बुलाकर उससे प्रधानमंत्री मोदी की मिमिक्री कराई गई। राहुल गांधी इस कामेडियन के सहयोगी के रूप में उत्साहित होकर उसका साथ देते नजर आए। नेताओं, अभिनेताओं और अन्य नामचीन लोगों की मिमिक्री कोई नई-अनोखी बात नहीं है, लेकिन यह अजीब ही कहा जाएगा कि राहुल गांधी ने छात्रों के मुद्दों को उजागर करने के लिए अपने मंच पर एक कामेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री कराना पसंद किया।

इस मिमिक्री के जरिये प्रधानमंत्री को विदेश नीति की रीति-नीति का मजाक उड़ाया गया। इसी क्रम में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से एक बुर्जुग महिला को कुर्सी देने के आग्रह का भी मजाक उड़ाया गया। यह निहायत भौंसा और जुगुप्सा पैदा करने वाला रहा। आखिर किसी बुर्जुग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के सहज मानवीय व्यवहार का मजाक कैसे उड़ाया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा। आजकल कामेडी के नाम पर भोंडपन की हद पार होने लगी है, लेकिन नेता-प्रतिपक्ष के मंच से ऐसा होना यह बताता है कि राजनीति किस तेजी के साथ स्तरहीन होती जा रही है। यह स्तरहीनता राजनीति को फूहड़ और विषाक्त ही बना रही है। इसमें सभी दलों का योगदान है, किसी का कम तो किसी का ज्यादा। राजनीतिक दल अब विरोधी दल को प्रतिस्पर्धी के स्थान पर शत्रु के रूप में देखने लगे हैं। उनके बीच का यह शत्रुभाव अनेक समाज में भी घर कर चुका है। राहुल गांधी के मंच से पहली बार प्रधानमंत्री और उनकी विदेश नीति का भदे तरीके से मजाक नहीं उड़ाया गया।

अपराध और अपराधी की जाति क्यों न पूछो?

राकेश अचल

राकेश अचल

बार–बार कहा जाता है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और अपराध की कोई जाति नहीं होती. कहने का मतलब सिर्फ इतना होता है कि अपराध व्यक्ति करता है, समुदाय नहीं. फिर भी बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा और उसके साथी छात्र के साथ सरेआम छेड़छाानी की घटना का वीडियो वायरल होते ही चर्चा अपराध से हटकर आरोपियों की जाति पर आ गई. हमारे यहाँ जातिवाद चरम पर है किंतु हम ही साधुओं से उनकी जाति पूछने का निषेध भी करते हैं.कबीर ने तो जोर–जोर से कहा कि–
जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान ।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो प्यान ।
दुर्भाग्य ये है कि हमारा समाज, कानून और राजनीति सबसे पहले जाति ही पूछती है. राजनीति की धुरी ही जाति है. राजनीतिक दल टिकट और पद जाति के आधार पर ही देते हैं. इस मामले में कोई भी दूध का धुला नहीं. न दिमागी नक्सल और न दिमागी पैदल. जाति विहीन समाज की कल्पना तो किसी ने की ही नहीं. जातीय श्रेष्ठता देश की सीमाएँ तोड़कर आज तमाम युद्धों का कारण भी है.
बात अपराधियों की जाति की चल रही है. अंग्रेजों ने बाकायदा देश में कुछ जातियों को ज़रायम पेशा करने के रूप में चिन्हित किया.ज़रायम पेशा जातियाँ वे समुदाय थे जिन्हें ब्रिटिश भारत सरकार ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871के तहत जन्मजात अपराधी माना था. ये कानून ब्रिटिश शासन का विरोध करने वाले और घुमंतू समुदायों पर नियंत्रण रखने के लिए बना था.इस कानून के तहत बच्चों का जन्म होते ही थाने में नाम दर्ज, नियमित हाजिरी और आवाजाही पर पाबंदी थी.इस कानून और बाद की कमेटियों (1949) में 120



कुछ समय पहले भी ऐसा ही हुआ था और तब इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का अमर्यादित तरीके से उल्लेख किया गया था। यह उल्लेख कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने किया था और उनके ऐसा करने पर राहुल गांधी हंसेते हुए दिखाई दिए थे।

कांग्रेस ने इस प्रसंग का भी बचाव किया था। यह किसी से छिपा नहीं कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के खिलाफ किस तरह तू–तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह उन्हें चोर, डरपोक आदि कह चुके हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल कर चुके हैं कि वह मुझसे आंख नहीं मिला सकता... डरता है। जब भाजपा राहुल गांधी के ऐसे कृत्यों और कथनों का विरोध करती है तो कांग्रेसजन उनका जोर–शोर से समर्थन करने के लिए आगे आ जाते हैं। इस पर कई बार भाजपा नेताओं की ओर से भी राहुल गांधी पर

अमर्यादित टिप्पणियां की जाती हैं। इस तरह भारतीय राजनीति हर दिन पहले से अधिक स्तरहीन होती जा रही है और भाषा की मर्यादा की कोई परवाह नहीं कर रहा है। आम तौर पर पहले चुनावों के दौरान ही राजनीतिक दलों के बीच एक–दूसरे के प्रति तीखी बयानबाजी होती थी और इस क्रम में कई बार अमर्यादित और अशालीन टिप्पणियां कर दी जाती थीं, लेकिन अब ऐसा सदैव होता रहता है और यहां तक कि संसद के भीतर भी। संसद के बाहर इसके कैसे दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं, इसका उदाहरण है बिहार में कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दिया जाना। कांग्रेस ने गाली देने वाले का बचाव तो नहीं किया, लेकिन उसे भाजपा का ही एजेंट करार दिया। पिछले दिनों दिल्ली के जंतर–मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के धरना–प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और

पुस्तक चर्चा :नाभिनाल का अटूट रिश्ता

 (विवेक रंजन श्रीवास्तव) 	 मैं को पढ़ना दरअसल उस मोन को पढ़ना है जिसे वह जन्म से पहले से पल–पल कष्ट सहकर भी आनंद में बदलती है। माँ जीवन का अमर तत्व है और उस पर प्राय: प्रत्येक कवि ने लिखा है।माँ और संतान का रिश्ता एक अदृश्य धागा है जो जन्मे के क्षण में शारीरिक रूप से अलग हो जाता है, लेकिन स्मृति, संवेदना और आत्मा के धरातल पर कभी विच्छिन्न नहीं होता।
 खुदेजा खान और डॉ. मयंक मुरारी द्वारा संपादित काव्य संकलन ‘नाभिनाल का अटूट रिश्ता’ इसी शाश्वत संबंध को कविता के अनेक स्वरों में अनुभव करने का अवसर देता है। यह पुस्तक केवल माँ पर लिखी कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि उस मानवीय अनुभव की साहित्यिक यात्रा है जहाँ माँ एक व्यक्ति से आगे बढ़कर स्मृति, माटी, घर, त्याग, समय और अस्तित्व का रूपक बन जाती है।	 नाभिनाल जैविक संबंध का प्रतीक है, जबकि अटूट रिश्ता उसके भावात्मक विस्तार का व्याख्यान। नाभिनाल जन्म के बाद कटती है, पर क्या माँ से संबंध कभी कट सकता है, यही प्रश्न इस शीर्षक को दार्शनिक प्रस्तावना में बदल देता है।
 संकलन की कविताएँ हमारे भीतर ठहरे हुए बच्चे तक पहुँचने का रास्ता बनाती हैं। ब्रज श्रीवास्तव की कविता ‘सबसे पहले माँ’ में माँ की आत्मीय व्याख्या है – ‘माँ केवल माँ नहीं है।सुखद उपस्थिति है किसी जन्मचक्र की’ और ‘माँ कोई जन्मत नहीं है वह तो खालिस धरती है, धरती पर मौजूद घर का ओसारा है।’ यहाँ माँ अमूर्त आदर्श नहीं, रोजमर्रा की सुरक्षा है। ओसारा विश्राम और अपनत्व का स्थान है, जहाँ लौटकर मनुष्य सुरक्षित अनुभव करता है।	 भरत प्रसाद की कविता ‘कोई और धातु की होती है माँ’ मातृत्व को रहस्य के रूप में देखती है। ‘गलती से भी माँ को परखने की गलती मत करना, उसके भीतर छिपी रहती

हैं अज्ञात लिपियाँ।' यहाँ माँ ऐसी किताब है जिसके अक्षर सामान्य बुद्धि से नहीं पढ़े जा सकते। कवि मातृत्व को ‘मिट्टी की भाषा की तरह’ बताते हैं और लिखते हैं – ‘जीते जी हृद से ज्यादा मिट जाने की कला है माँ होना।' यह समर्पण का मार्मिक बिंब है, जो याद दिलाता है कि माँ की पहचान केवल त्याग तक सीमित नहीं, उसके अपने सपने और संघर्ष भी हैं।

नरेंद्र गौड़ की कविता ‘माँ का संदूक’ स्मृति को घरेलू वस्तु में खोजती है। पिता द्वारा आइलपेंट से टेढ़े–मेढ़े अक्षरों में संदूक रिश्ता’ इसी शाश्वत संबंध को कविता के अनेक स्वरों में अनुभव करने का अवसर देता है। यह पुस्तक केवल माँ पर लिखी कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि उस मानवीय अनुभव की साहित्यिक यात्रा है जहाँ माँ एक व्यक्ति से आगे बढ़कर स्मृति, माटी, घर, त्याग, समय और अस्तित्व का रूपक बन जाती है।

मिथिलेश रॉय की कविता ‘अपनी कथा में’ माँ को उसकी संतान की माँ होने से पहले एक स्वतंत्र बचपन वाली लड़की के रूप में देखती है। वह पोते–पोतियों को खेलें, नदी और स्कूल की स्मृतियाँ सुनाती है – लंबी लौड़ी जीवना, नदी जीवना, तितली सी उड़ना और फिर ‘तब इतना बड़ा घूँघट लेना पड़ता था हमें ससुराल में।' बच्चों का हँसना और माँ का गला रंध जाना कविता को संवेदनात्मक ऊँचाई देती है। यहाँ वह लड़की, विद्यार्थी और स्वपनशी स्त्री भी सामने आती है जिसे बच्चे केवल माँ के रूप में जानते हैं।

अमरजीत की कविता ‘चिराग जैसी माँ’ में माँ की अनुपस्थिति के बाद शहर में सब पहले जैसा चलता है, लेकिन परिवार में रिक्तता रह जाती है। ‘सिर्फ एक माँ के नाम का चिराग है बुझा हुआ।' शहर की शोशिनियों के बीच बुझा चिराग निजी शोक और सार्वजनिक सामान्यता के अंतर को प्रकट करता है।

मजबूत होता भारत का सुरक्षा कवच

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इसकी सफलता की प्रशंसा की है।। रक्षा क्षेत्र में भी सरकार की उपलब्धियाँ ऐतिहासिक हैं। चाणक्यनीति में कहा कि ‘शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते’ शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता ‘क्षमा शोभती उस धुजंग को, जिसके पास गरल हो’ इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।



विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला। आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस की नीति इसी का उदाहरण है।

रक्षा क्षेत्र का बजट वित्त वर्ष 2013–14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये था, अब 2025–26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ रुपये अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफार्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध कराई जा रही है। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिए लंबित मांग सीडीएच की नियुक्ति का निर्णय हुआ। आपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका

को अनुभव किया। शस्त्रों की खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुके हैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है। एस–400, सुखोई–30, इजरायल से ड्रोन, हैमर मिसाइल, चिनूक हेलीकाप्टर, एलसीएल प्रचंड (लाइट कांबैट हेलीकाप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम (मल्टी बैरल राकेट लॉन्चर), वरुणास्त्र (एंटी

सबमरीन मिसाइल) आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाने लगी है।

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेश से शस्त्र खरीद ही नहीं, हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रस्तम यूएवी ड्रोनस का डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2014–15 में 46529 करोड़ रुपये की तुलना में 2023–24 में 127265 करोड़ रुपये हुआ है। रक्षा क्षेत्र

तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कैमरे के सामने जमकर भद्दी गालियां दी गईं। इस दौरान गालियों वाले पोस्टर भी नजर आए। गालियां देने वालों में लड़के–लड़कियां, दोनों थे। किसी भी विरोधी राजनीतिक दल ने इन गालियों का विरोध नहीं किया। काकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ताओं ने इन गालियों को हल्के मजाक की संज्ञा दी। नारीवादियों ने प्रश्न किया कि क्या बुरा इसलिए लग रहा है कि जैन–जी लड़कियों ने मां–बहन की गालियां दीं? कुल मिलाकर गालीबाजी का बचाव ही किया गया। राजनीतिक मंचों पर भाषाई मर्यादा का उल्लंघन तो कभी–कभार ही देखने को मिलता है, सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों पर यह हर दिन देखने को मिल रहा है। राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों के बीच विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ भद्दी भाषा का इस्तेमाल करने और उनका भोंडें तरीके से मजाक उड़ाने की होड़ लगी है। इस काम में एआई का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। डिजिटल मीडिया पहले से ही विषाक्त था, राजनीतिक दलों के आईटी सेल वालों ने उसे और विषाक्त कर दिया है। चूंकि राजनीतिक दलों के आईटी सेल वाले विरोधी दलों के नेताओं का मान–मर्दन करने में कोई संकोच नहीं कर रहे हैं, इसलिए इन दलों के खुले–छिपे समर्थक मर्यादा की सारी हद पार किए जा रहे हैं। वे विरोधी दलों के नेताओं को नीचा दिखाने के लिए फर्जी खबरें, फोटो और वीडियो थोक के भाव बना रहे हैं। भाषाई मर्यादा का उल्लंघन केवल कांग्रेस और भाजपा के नेताओं की ओर से ही नहीं किया जा रहा है। ऐसा ही अन्य दलों के नेताओं या उनके आईटी सेल वालों की ओर से भी किया जा रहा है। इन दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा और सपा समर्थक ऐसा ही करने में लगे हुए हैं। अन्य चुनाव वाले राज्यों में भी ऐसा ही होता हुए दिखे तो हैरानी नहीं।

भारतीय क्रिकेट का नया स्पॉन्सर बना मुथूट फिनकॉर्प



WINNERS

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के अगले दो घरेलू सीजन के लिए मुथूट फिनकॉर्प नया टाइटल स्पॉन्सर बन गया है। कंपनी को भारत में होने वाले इंटरनेशनल और घरेलू मैचों के टाइटल स्पॉन्सरशिप राइट्स 31 मार्च 2028 तक मिले हैं। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होंगे। इस स्पॉन्सरशिप को ब्लू मुथूट नाम से पेश किया जाएगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, डील की बातचीत 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच के बेस प्राइस पर हुई है। हालांकि ब्रष्टट्टु के ऑफिशियल स्टेटमेंट के बाद ही बेस प्राइस की स्थिति साफ होगी।

वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से दिखेगा असर- इस दौरान भारत में 10 टेस्ट, 12 वनडे और 13 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। यह डील तुरंत प्रभावी होगी। इसका असर 27 सितंबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में दिखाई देगा। खास बात यह है कि सीरीज का पहला मैच मुथूट के गृह राज्य केरल में खेला जाएगा। पहला वनडे 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में होगा।1997 में स्थापित हुई मुथूट फिनकॉर्प, कोच्चि के मुथूट परिवार की कंपनी है।

नए स्पॉन्सर की घोषणा में देरी क्यों हुई? - नए टाइटल स्पॉन्सर की घोषणा में देरी हुई थी। इसकी एक वजह अधिकारों के लिए गंभीर बोलीदाताओं की कमी बताई गई। ऊंची बेस कीमत भी इसकी वजह रही।

BCCI के Invitation to Tender (ITT) के मुताबिक, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए टाइटल स्पॉन्सर का फैसला 13 अगस्त को होना था। हालांकि, कोई बोलीदाता सामने नहीं आया। इसके बाद BCCI ने संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत शुरू की। BCCI ने Google Gemini, IDFC First Bank, Spinny और SBI Life से भी संपर्क किया था।

IDFC First Bank पिछले 3 साल तक स्पॉन्सर रहा- IDFC First Bank सितंबर 2023 से अगस्त 2026 तक BCCI का टाइटल स्पॉन्सर था। तीन साल की इस डील के तहत बैंक भारत में होने वाले पुरुष और महिला दोनों के इंटरनेशनल और घरेलू मैचों का टाइटल स्पॉन्सर रहा। इसके लिए IDFC First Bank BCCI को प्रति मैच 4.2 करोड़ रुपए देता था। अगस्त 2026 में डील खत्म होने के बाद BCCI ने नए टाइटल स्पॉन्सर की तलाश शुरू की।

एशियन गेम्स- भारत को 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में सिल्वर



SEEMA

एजेसी » नई दिल्ली

एशियन गेम्स में भारत ने एथलेटिक्स के 4म400 मीटर मिक्स्ड रिले में सिल्वर मेडल जीता। मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और वित्था रामराज की टीम ने 3:14.46 सेकेंड में रस पूरी की। इससे पहले सीमा कुमारी ने विमेंस 10 हजार मीटर में 32:50.05 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। यह इस इवेंट में भारत का 2010 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल है। पांचवें दिन भारत ने 5 मेडल जीते। इनमें 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत के कुल मेडल 17 हो गए हैं। इनमें 1 गोल्ड, 7 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज हैं। चीन 127 मेडल के साथ टॉप पर है।

शूटिंग और रोइंग में भी

मेडल- अनंतजीत सिंह नारुका और परिनाज धालीवाल ने मिक्स्ड स्कीट में ब्रॉन्ज जीता। दोनों 48 शॉट के बाद 44 अंक पर थे और टाई-ब्रेकर के बाद ब्रॉन्ज मिला। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुषों की डबल स्कल्स में ब्रॉन्ज जीता। भारतीय जोड़ी ने 6:13.25 का समय निकाला। यह इस इवेंट में भारत का एशियन गेम्स का पहला मेडल है।

रोशिबिना का लगातार दूसरा सिल्वर- वुशु की 60 किरा सांडा कैटेगरी में रोशिबिना देवी को सिल्वर मिला। वे फइनल में चीन की झांग शियाओयू से 2-0 से हार गई।

कबड्डी में दोनों टीमों के मेडल पक्रे- भारत की महिला टीम ने जापान को 50-25 से हराकर रूफ में तीनों मैच जीते और सेमीफइनल में पहुंची। इससे

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पूल- के मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से हराया। भारत ने शुरुआती दो मैचों में इंडोनेशिया को 13-1 और श्रीलंका को 16-1 से हराया था।

एथलेटिक्स में बाकी नतीजे- आशा इलांगो 13.83 मीटर की छलांग के साथ विमेंस ट्रिपल जंप में चौथे स्थान पर रहें।

भारत की एशियाड में साउथ कोरिया पर सबसे बड़ी जीत :मेंस टीम ने 8-2 से हराया

एजेसी » नई दिल्ली

अफ गानिस्तान ने एशियन गेम्स की मेंस क्रिकेट में जीत के साथ अभियान शुरू किया। ररूप-ए के मुकाबले में अफानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया।

अफ गानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई।

अफ गानिस्तान की जीत के हीरो उसके स्पिनर रहे। टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे राइट-आर्म रिस्ट स्पिनर अरब गुल ने 8 रन देकर 4 विकेट लिए। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नंगेयालिया खारोटे ने 19 रन देकर 3 विकेट लिए।

53 रन पर 2 विकेट से 81 रन पर ऑलआउट हुआ जापान- 130 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान ने संभलकर शुरुआत की। टीम ने 8 ओवर में 2 विकेट पर 53 रन बना लिए थे। इसके बाद अरब गुल ने 12वें और 14वें ओवर में दो-दो विकेट लेकर जापान के मिडिल ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया।

इससे भारतीय टीम को 7-0 की मजबूत बढ़त मिल गई। सात गोल से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने वापसी की कोशिश की। किम जाएहो ने 42वें मिनट में गोल करके साउथ कोरिया का खाता खोला। इसके बाद दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में 32वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल दागा। अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

मिनट में अभिषेक ने भारत के लिए चौथा गोल दागा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली।

दिलप्रीत और अभिषेक ने बढ़ाई बढ़त- दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 32वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में 32वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल दागा। अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।



व्यापार

जियो पंप पर 50 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं मिलेगा:तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 8 और डीजल पर 9 का घाटा, कच्चा तेल 110 डॉलर पार

एजेसी » नई दिल्ली

जियो और नायरा ने अपने पंपों पर डीजल की लिमिट तय की है। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक जियो के पंप पर 50 लीटर और नायरा के पंप पर 70 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग और तनाव के चलते कच्चा तेल 110 डॉलर के पार जाना है। इससे पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल पर 8 और डीजल पर 9 रुपए का घाटा हो रहा है। हालांकि, देश के 90ब से ज्यादा पेट्रोल पंप चलाने वाली सरकारी कंपनियों- इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पंपों पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। वहां पहले की तरह ही पूरा डीजल मिल रहा है।

सवाल 1: जियो-बीपी और नयारा पंपों पर कितनी लिमिट लगी ?

जियो-बीपी: कई पंप पर एक बार में एक गाड़ी को सिर्फ 50 लीटर तक ही डीजल दिया जा रहा है। कुछ पंपों पर पूरे दिन में 6000 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं बेचने का नियम बना दिया गया है।

नयारा एनर्जी: इस कंपनी के पेट्रोल पंपों पर एक बार में 70 से 200 लीटर तक ही डीजल दिया जा रहा है।

सवाल 2: लंबी दूरी के ट्रकों और लॉजिस्टिक्स पर कितना असर पड़ेगा ?

सरकारी पंपों पर पूरा तेल मिलने के बावजूद लंबी दूरी तय करने वाले बड़े ट्रकों और माल ढोने वाली गाड़ियों को दिक्कत हो सकती है।

खासकर गांव-देहात या हाईवे के ऐसे इलाकों में जहां पेट्रोल पंप दूर-दूर



जाने वाले कच्चे तेल की कीमत उछलकर 117.4 प्रति बैरल पर पहुंच गई। जबकि इस साल औसतन इसकी कीमत करीब 66 डॉलर प्रति बैरल ही थी। यानी कच्चे तेल के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं।

सवाल 4: पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे ?

भले ही कंपनियों को कच्चा तेल बहुत महंगा मिल रहा है, लेकिन देश में आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं।

सवाल 5: कंपनियों को कितना नुकसान ?

दाम न बढ़ाने की वजह से तेल कंपनियां खुद यह घाटा उठा रही हैं। अनुमान के मुताबिक, कंपनियों को डीजल बेचने पर करीब 9 रुपए लीटर और पेट्रोल बेचने पर 8 रुपए लीटर का

सीधा घाटा हो रहा है। इसी घाटे से बचने के लिए प्राइवेट कंपनियां डीजल कम बेच रही हैं।

सवाल 6: डीजल की किल्लत क्यों बढ़ी ?- डीजल की किल्लत सिर्फ कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से नहीं, बल्कि सऊदी अरब से आने वाले तेल टैंकरों के रास्ते में रुकने से हुई है। सऊदी अरब की कंपनी 'साउदी अरामको' की पाइपलाइन पर हमले के बाद उसने भारत को कच्चा तेल भेजना भी बंद कर दिया है। इससे भारतीय तेल कंपनियों को दूसरी जगहों से महंगा तेल खरीदना पड़ रहा है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि देश में डीजल खत्म नहीं हुआ है। घाटे से बचने के लिए सिर्फ कुछ प्राइवेट कंपनियों ने थोड़े समय के लिए कम डीजल बेचने का यह फैसला लिया है।

सोने-चांदी के दाम में लगातार चौथे दिन गिरावट

एजेसी » नई दिल्ली



कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का अवसर भी बन सकता है।

सोने में गोल्ड ETF के जरिए कम पैसों में कर सकते हैं निवेश- गोल्ड ETF सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ट होते हैं। गोल्ड ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह ऋस्थ और हस्थ पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा। इसमें 100 रुपए से भी कम में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 24 सितंबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1231 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया। एक किलो चांदी 4,518 रुपए सस्ती होकर 2.28 लाख रुपए पर आ गई है। ये लगातार चौथा दिन सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। चांदी 4 दिन में करीब 7 हजार और सोना 2,500 रुपए सस्ता हो चुका है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है: अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार बढ़ाई ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है। हालांकि भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है, जिससे निवेशक इसे सुरक्षित निवेश के रूप में फिर से चुन सकते हैं। एक्सपर्ट्स की राय है कि निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अभी भी

मौद्रीकरण की रफ्तार पड़ी धीमी, चालू वित्त वर्ष में अब तक जुटाए सिर्फ 7,000 करोड़ रुपए

एजेसी » नई दिल्ली

देश के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और निजी क्षेत्र की भागीदारी से रेलवे की आय बढ़ाने के लिए शुरू की गई संपत्ति मौद्रीकरण की योजना फिलहाल सुस्त रफ्तार से आगे बढ़ रही है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान जहां रेलवे के विभिन्न परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण से करीब 21,000 करोड़ रुपये जुटाए थे, वहीं चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में यह रफ्तार काफी धीमी दिख रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रेलवे ने अब तक विभिन्न मदों के जरिए केवल 7,000 करोड़ रुपये ही जुटाए हैं।

सरकार ने साल 2021 में नेशनल मॉनेटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) की शुरुआत की थी, जिसके दूसरे चरण को इसी साल फरवरी में लॉन्च किया गया। एनएमपी

2.0 के तहत देश भर में 12 सेक्टरों से साल 2026 से 2030 के बीच कुल 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसमें अकेले भारतीय रेलवे के लिए 2.62 लाख करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा तय किया गया है। लेकिन पिछले साल के मुकाबले इस साल अब तक सामने आए 7,000 करोड़ रुपये के आंकड़े बताते हैं कि इस विशाल लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रेलवे को अभी बहुत लंबी दूरी तय करनी है और अपनी कार्यप्रणाली में तेजी लानी होगी।

रेलवे जिन सात अलग-अलग मदों और संपत्तियों के जरिए पैसे जुटाने की प्रक्रिया में है, उनमें मुख्य रूप से शामिल हैं, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आधुनिक रेलवे स्टेशनों का विकास (जो वर्तमान में सबसे बड़ा जरिया है), डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और फ्रेट

टर्मिनल, रेलवे ट्रैक और गुड्स शेड, रेलवे कालोनीयां और खाली पड़ी अन्य भूमि परिसंपत्तियां (जिनके तहत पांच साल में 43,800 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है) और रेलवे की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में हिस्सेदारी का आंशिक विनिवेश।

रेलवे के लिए तय किए गए कुल 2.62 लाख करोड़ रुपये के मास्टरप्लान में अलग-अलग मदों के लिए जो हिस्सेदारी तय की गई है, उसमें, 1 लाख करोड़ रुपये स्टेशन एस्टेट के विकास से, 83700 करोड़ रुपये रेलवे पीएसयू में विनिवेश से, 18000 करोड़ रुपये प्रेट टर्मिनल से, और 7500 करोड़ रुपये सीधे तौर पर स्टेशन विकास से तय किया गया है।

इसके अलावा प्रेट ट्रेनों और डीएफसीसीआईएल के टर्मिनलों से भी हजारों करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है।

उनका यह प्रदर्शन ब्रॉन्ज जीतने वाली चीन की ली यी के बराबर था, लेकिन सेकेंड बेस्ट जंप में ली यी आगे रहीं। निहारिका वशिष्ठ 10वें स्थान पर रहीं। 100 मीटर में अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह ने सेमीफइनल के लिए क्वालिफाई किया। अनिमेष ने 10.36 सेकेंड के साथ हीट में तीसरा और गुरिंदरवीर ने 10.38 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग और फेंसिंग में हार मिली- साक्षी चौधरी को 51 किरा में कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा ने 3-2 से हराया। सुमित कुंडू 70 किरा मुकाबले में चोट के कारण इराक के अली कासिम हमदान अल-सरे से हार गए। फेंसिंग में भवानी देवी और श्रेया गुप्ता भी राउंड ऑफ-16 में हारकर बाहर हुईं।



दिया। जापान का स्कोर 60 रन पर 4 विकेट से 63 रन पर 8 विकेट हो गया। इसके बाद अब्दुल्लाह अहमदजई और खारोटे ने निचले क्रम को समेट दिया। जापान की पूरी टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर ऑलआउट हो गई।

ईशाक की नाबाद 25 रन की पारी- टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफानिस्तान की शुरुआत धीमी रही। मोहम्मद अकरम ने 34, कसान दरविश रसूलो ने 29 और करीम जनत ने 21 रन बनाए।

नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने आए मोहम्मद ईशाक ने 17 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। उनकी पारी की मदद से अफानिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन तक पहुंचाया।

अब 'पनीर' के नाम से नहीं बिकेंगे एनालॉग डेयरी उत्पाद

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नकली पनीर के निर्माण और बिक्री पर एक बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने एनालॉग पनीर के संबंध में एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को गुमराह होने से बचना और उन्हें असली उत्पाद उपलब्ध कराना है।

इस संशोधन के तहत, 'डेयरी संदर्भ में एनालॉग' श्रेणी में पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों को अब पनीर शब्द का उपयोग बंद करना होगा। यह प्रतिबंध उनके नामकरण, लेबलिंग या विषयन में सख्ती से लागू होगा। खाद्य नियामक का कहना है कि यह कदम उत्पादों की प्रकृति और संरचना के बारे में उपभोक्ताओं को गलत जानकारी देने से रोकेंगा। इससे बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और असली पनीर की पहचान आसान होगी। यह निर्णय खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्राधिकरण ने सभी संबंधित पक्षों को नए नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

क्या है एनालॉग पनीर और यह क्यों है चिंता का विषय ?- एनालॉग पनीर ऐसे उत्पाद होते हैं जो देखने में पनीर जैसे लगते हैं। हालांकि, उनमें दूध के ठोस पदार्थ कम होते हैं या उन्हें वनस्पति तेलों जैसे अन्य अवयवों से बनाया जाता है। ये उत्पाद अक्सर कम लागत पर तैयार किए जाते हैं। इनकी संरचना और पोषण मूल्य असली पनीर से काफी अलग होते हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह पता नहीं होता कि वे असली पनीर नहीं खरीद रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य और वित्तीय हितों को नुकसान पहुंच सकता है।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में रियल एस्टेट सेक्टर की होगी अहम भूमिका : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर, 24 सितंबर 2026

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित क्रेडाई छत्तीसगढ़ स्टेटकॉन-2026 ‘बिल्डिंग विकसित छत्तीसगढ़’ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में रियल एस्टेट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शहरीकरण के साथ प्रदेश में आधुनिक शहरों, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास तथा मजबूत अघोसंरचना की आवश्यकता भी बढ़ रही है। राज्य सरकार रियल एस्टेट सेक्टर के विकास के लिए पारदर्शी व्यवस्था, सरल प्रक्रियाओं और निवेश के अनुकूल वातावरण के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अपना

घर प्रत्येक परिवार का सपना होता है। समाज के हर वर्ग की आकांक्षा होती है कि उसके पास सुरक्षित और सुविधाजनक आवास हो। पिछले पौने तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट सेक्टर ने तेजी से प्रगति की है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में बढ़ते निवेश, औद्योगिकीकरण, बेहतर कनेक्टिविटी और नए शहरी केंद्रों के विकास के साथ इस क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों से कहा कि वे प्रदेश के विकास में भागीदार बनें और गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक तथा भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के निर्माण में योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के अनुरूप

छत्तीसगढ़ सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट ‘छत्तीसगढ़ अंजोर’ तैयार किया है। राज्य ने अपनी अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने की अपार क्षमता है। प्रदेश का लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। यहां प्रचुर खनिज संपदा, पर्याप्त बिजली और जल संसाधन उपलब्ध हैं। देश के प्रमुख क्षेत्रों से प्रदेश की कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हो रही है और यहां के मेहनतकश लोग हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि ‘छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया’ केवल एक कहावत नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों की सरलता, परिश्रम और सामर्थ्य की पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री



नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्य करने के अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री की कार्यशैली को निकट से देखा है। प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत आधुनिक अघोसंरचना, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था और जनकल्याण के नए अध्याय लिख रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने देश के करोड़ों परिवारों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में भी बड़ा परिवर्तन दिखाई दे रहा है और पक्के आवास तेजी से ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए 3.65 लाख

अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति दी है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों के लिए भी आवास बनाए जा रहे हैं। आत्मसम्पत्ति नक्सलियों के पुनर्वास के लिए तैयार नीति के अंतर्गत 15 हजार आवासों के निर्माण को भी स्वीकृति मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों के सुनियोजित एवं दीर्घकालीन विकास के लिए स्टेट कैपिटल रीजन विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत रायपुर के साथ दुर्ग, भिलाई और राजनांदगांव क्षेत्र को जोड़ते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की योजना बनाई जा रही है। स्टेट कैपिटल रीजन से आवास, उद्योग, व्यापार, परिवहन और सेवा क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख ग्रोथ

इंजन के रूप में उभरेगा।

उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण को अवसर में बदलने के लिए सुनियोजित विकास आवश्यक है। शहरों में नागरिक सुविधाओं, परिवहन, आवास और अन्य बुनियादी अघोसंरचनाओं का विकास भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इसमें रियल एस्टेट सेक्टर की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर के विकास में बड़ी बाधा रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है और आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त होकर विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

‘सेवा के रंग’ से जन-जन तक पहुंचा रहे विकसित भारत का संकल्प : उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज लोरमी के मानस मंच में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित विकासखंड स्तरीय ‘सेवा का रंग’ रंगोली का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कलाकारों और विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोलियों की सराहना की। श्री साव ने छात्राओं से चर्चा कर उनकी बनाई रंगोलियों के विषय, उद्देश्य और संदेश की विस्तार से जानकारी ली। छात्राओं ने उन्हें बताया कि उन्होंने जल संरक्षण, विकसित भारत, नारी सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत जैसे विषयों को रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उप मुख्यमंत्री ने छात्राओं की रचनात्मकता और उत्साह की प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि रंगोली के माध्यम से सेवा के भाव और विकसित भारत की कल्पना को सुंदर तरीके से अभिव्यक्त किया गया है। कोटा के रंगोली कलाकार



श्री रवि पैकरा ने करीब पौने दो क्रिंटल सामग्री से विकसित भारत की भव्य रंगोली तैयार की है। यह रंगोली विकसित भारत के संकल्प को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में आठ विद्यालयों की बेटियों ने अलग-अलग विषयों पर रंगोलियां बनाईं। जल संरक्षण से लेकर डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत और नारी सशक्तिकरण तक सेवा के विभिन्न रंगों को रंगोली के

माध्यम से जीवंत किया गया। श्री साव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य विकसित भारत की कल्पना को जन-जन तक पहुंचाना है। हर व्यक्ति विकसित भारत क्या है और इसके निर्माण में उसकी भूमिका क्या है, इससे जुड़े। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव और जनकल्याण के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

डॉ. रमन सिंह, कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब और पूर्व सीएम भूपेश बघेल होंगे मुख्य अतिथि

‘मानस मंथन 6.0’ के तहत संत-महात्माओं का मिलेगा आशीर्चन, प्रदेशभर की प्रसिद्ध मानस मंडलियाँ देंगी प्रस्तुतियाँ रायपुर। छत्तीसगढ़ की पावन धरा और विश्व प्रसिद्ध माता कौशल्या मंदिर परिसर, चंदखुरी में आगामी 26, 27 और 28 सितंबर 2026 को तीन दिवसीय ‘राज्य स्तरीय मानस महोत्सव एवं अलंकरण समारोह’ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। =मानस दर्शन जीवन अर्पण - मानस ब्रम्ह गर्भ (मानस मंथन - 6.0)= शीर्षक से आयोजित यह कार्यक्रम इस वर्ष अपने 6वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जिसे लेकर आयोजन समिति द्वारा व्यापक एवं वृहद तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

यह गरिमामयी कार्यक्रम माता कौशल्या मंदिर समिति चंदखुरी एवं मानस दर्शन जीवन अर्पण छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने समस्त प्रदेशवासियों से इस तीन दिवसीय भक्तिमय अनुष्ठान में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।



कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रमुख अतिथि:

पहला दिन: 26 सितंबर 2026

(शनिवार)

- मुख्य अतिथि: कैबिनेट मंत्री व आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब।

- पूर्वाह्न 11:00 बजे: आयोजक समिति एवं नगरवासियों द्वारा भव्य कलश यात्रा एवं माता कौशल्या देवी का नगर भ्रमण कराया जाएगा। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब कलश यात्रा में शामिल होकर महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ करेंगे।

युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय



समृद्धि सागर अपार्टमेंट में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेश उत्सव रोजाना आरती के साथ रंगारंग कार्यक्रमों की धूम, मटकी फेड़ और विभिन्न खेलों में उत्साह से शामिल हो रहे रहवासी

रायपुर। समृद्धि सागर गणेश उत्सव समिति द्वारा समृद्धि सागर अपार्टमेंट परिसर में गणेश उत्सव हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया जा रहा है। गणपति व्रथा की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन सुबह और शाम विधि-विधान से आरती का आयोजन किया जा रहा है। आरती में अपार्टमेंट के सभी रहवासी बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। गणेश उत्सव के दौरान समिति द्वारा धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। बच्चों से लेकर

महिलाओं और पुरुषों तक सभी वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। मटकी फेड़ जैसे पारंपरिक कार्यक्रमों ने उत्सव के माहौल को और भी जीवंत बना दिया है।

हवन और भंडारे का होगा आयोजन

उत्सव के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हवन के दिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान के साथ भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें अपार्टमेंट के रहवासी एवं श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। समिति द्वारा पूरे आयोजन को व्यवस्थित और भक्तिमय बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। गणेश उत्सव के दौरान अपार्टमेंट परिसर में आकर्षक सजावट, रोशनी और सांस्कृतिक गतिविधियों से उत्सवी माहौल बना हुआ है। समृद्धि सागर अपार्टमेंट के रहवासियों की सामूहिक सहभागिता इस आयोजन की विशेष पहचान बनी हुई है। समिति का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।

रायपुर। युवा शक्ति विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, नवाचार की क्षमता और सेवा भावना को सही दिशा देकर समाज और राष्ट्र में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सेवा

योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और अपने आसपास की परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता से समझना सीखता है। स्तरीय समारोह का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि



राष्ट्रीय सेवा योजना आज देश के लाखों युवाओं को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला व्यापक अभियान बन चुकी है। एनएसएस से जुड़ने वाला युवा केवल शुभकामनाएं दी और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और अपने आसपास की परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता से समझना सीखता है। लोगों की समस्याओं को समझना, जिम्मेदारी लेना, टीम के साथ कार्य करना और समाधान के लिए स्वयं आगे आना - ये ऐसे संस्कार

हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा के किसी कार्य को छोटा नहीं समझना चाहिए। कई बार एक युवा द्वारा किया गया छोटा-सा प्रयास भी पूरे समाज को प्रेरित कर सकता है। किसी गांव में स्वच्छता के लिए पहल करना, जरूरतमंद के लिए रकूदान करना, पौधा लगाकर उसकी देखभाल करना, जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना अथवा किसी व्यक्ति को नशे से दूर रहने के लिए

प्रेरित करना - ऐसे प्रयास समाज में बड़े परिवर्तन की नींव बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में और अधिक सक्रिय भागीदार बनाने के उद्देश्य से ‘मेरा युवा भारत’ जैसा व्यापक मंच तैयार किया गया है। इसके माध्यम से युवाओं को नेतृत्व, कौशल विकास और अनुभव आधारित सीख के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं अपने विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक रहे हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि एनएसएस से मिले सेवा और नेतृत्व के संस्कार जीवन में कितनी दूर तक साथ चलते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश में चल रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि एनएसएस और सेवा संकल्प अभियान की मूल भावना एक ही है - सेवा

के लिए स्वयं आगे आना और समाज को भी सेवा कायाँ से जोड़ना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनके जन्मदिन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। एनएसएस के युवा स्वच्छता, रकूदान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को जनआंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपने महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ गांवों, बस्तियों और शहरों में भी लोगों को इन अभियानों से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज को प्रेरित करने की अपार क्षमता है। जब युवा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए आगे आते हैं तो उनके साथ परिवार, समाज और समुदाय भी जुड़ता है। इसलिए एनएसएस स्वयंसेवकों की एक छोटी पहल भी व्यापक और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती है।

डूमरिया बांध छट घाट पर बाउंड्रीवॉल निर्माण से मचा बवाल

श्रद्धालुओं की जगह घेरने वाले निर्माण पर पार्षद ने खोला मोर्चा, कार्यालय को पत्र देकर काम रोकने की मांग, अध्यक्ष की भूमिका पर उठे सवाल

जाहिद अंसारी

सुरजपुर/जरही:--

नगर पंचायत जरही के डूमरिया बांध स्थित छट घाट पर कराए जा रहे बाउंड्रीवॉल निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। छठ महापर्व से ठीक पहले ऐसे स्थान पर निर्माण कार्य शुरू किए जाने को लेकर नगर पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर पंचायत पार्षद सिद्धनाथ शर्मा ने नगर पंचायत को शिकायती पत्र सौंपकर निर्माण कार्य तत्काल रोकने की मांग की है।

पार्षद सिद्धनाथ शर्मा का कहना

है कि डूमरिया बांध वर्षों से छठ महापर्व का प्रमुख आयोजन स्थल रहा है। पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। घाट पर पहले से ही सीमित जगह होने के कारण कई श्रद्धालु पीछे खड़े होकर पूजा-अर्चना में शामिल होते हैं। पार्षद का आरोप है कि अब नगर पंचायत द्वारा उसी हिस्से में बाउंड्रीवॉल खड़ी की जा रही है, जहां छठ पूजा के दौरान लोगों के खड़े होने की जगह रहती है। ऐसे में दीवार बनने के बाद श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध स्थान और सीमित हो जाएगा।

इस निर्माण को लेकर अब नगर पंचायत अध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर सवाल यह है कि छठ घाट जैसे सार्वजनिक एवं धार्मिक उपयोग वाले स्थान पर निर्माण शुरू कराने से पहले श्रद्धालुओं की सुविधा, स्थल की



उपयोगिता और आगामी छठ महापर्व को लेकर पर्याप्त विचार-विमर्श किया गया था या नहीं। यदि निर्माण नगर पंचायत की स्वीकृत प्रक्रिया के तहत कराया जा रहा है तो संबंधित प्रस्ताव, स्वीकृति और स्थल चयन का आधार भी स्पष्ट किया जाना चाहिए।

पार्षद ने अपने शिकायती पत्र में जनभावनाओं का हवाला देते हुए निर्माण कार्य तत्काल रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि छठ महापर्व के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु घाट पर पहुंचते हैं और पीछे खड़े होकर पूजा एवं अर्घ्य में शामिल होते हैं।

ऐसे में उस स्थान पर दीवार खड़ी करना श्रद्धालुओं की सुविधा को प्रभावित कर सकता है। छठ महापर्व नजदीक होने के कारण मामला और गंभीर हो गया है। यदि निर्माण जारी रहता है तो पूजा के दौरान श्रद्धालुओं के खड़े होने और

आवागमन के लिए उपलब्ध स्थान प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, शिकायत सामने आने के बाद नगर पंचायत प्रशासन के सामने निर्माण स्थल और उसकी उपयोगिता की समीक्षा करने की चुनौती भी है।

पार्षद सिद्धनाथ शर्मा द्वारा 24 सितंबर 2026 को नगर पंचायत कार्यालय में शिकायत प्रस्तुत की गई, जिसकी कार्यालय से पावती भी प्राप्त हुई है। अब देखा होगा कि नगर पंचायत अध्यक्ष और प्रशासन इस शिकायत पर क्या निर्णय लेते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट होगा कि डूमरिया बांध छट घाट पर बाउंड्रीवॉल निर्माण का निर्णय किस आधार पर लिया गया और क्या निर्माण से पहले आगामी छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखा गया था।